[श्री राम लाल राही]

की गई। आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए नबीउल्ला रोड पर लगभग 9 एकड़ जमीन को भी एलाट कर दिया गया तथा 50 हजार रुपये बाउण्ड्री हेतु स्वीकार कर दिए गए। सन् 1978 में नई सरकार ने आयुर्विज्ञान संस्थान, किंग जार्ज मेडिकल कालेज से अलग एक विशाल भू-खण्ड पर बनाने का निर्णय लिया क्योंकि मेडिकल कालेज के कुछ स्वार्थी तत्वों ने जो डाक्टरों की निजी प्रक्टिस के समार्थक थे, इस योजना को धल धूसरित करने में प्रमुख भूमिका अदा की। शिलान्यास करते समय महामहिम राष्ट्रपति ने भी शंका व्यक्त की थी कि यह संस्था मात्र शिला के पत्थर तक ही सीमित न रह जावे।

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के हिन्दी साप्ताहिक "करेण्ट' के सम्मानित युवक संवाददाता नगिन्द्र पाण्डे ने अपने ज्ञान, विश्वास और अध्ययन के आधार पर 10 अक्तूबर, 1981 में कथित संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के निर्माण के सम्बन्ध में चित्रण किया है जिससे स्पष्ट हो जाता है कि किस प्रकार इस संस्थान के निर्माण में प्रशासनिक और राजनैतिक हस्तक्षेप बाधक रहा है। खेद तो इस बात का है कि प्रदेश व केन्द्र कोई भी सरकार जन-भावनाओं से जुड़ने के लिए आयुर्विज्ञान संस्थान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान नहीं देती। यही कारण है कि दिनोदिन स्थिति बिगड़ रही है। लोकहित में यह उचित होगा कि अविलम्ब लखनऊ में किंग जार्ज मेडिकल कालेज को आयुर्विज्ञान संस्थान में परिवर्तित कर जन-आकांक्षा के अनुरूप कार्य प्रारम्भ किया जाए।

मैं इस लोक महत्व के महत्वपूर्ण विषय को तरफ केन्द्र सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि अविलम्ब जनहित, राष्ट्रहित और मितव्ययिता को ध्यान में रखते हुए किंग जार्ज मेडिकल कालेज को आयुर्विज्ञान संस्थान में परिवर्तित करने हेतु आवश्यक कदम उठायें।

(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Do not record anything.

(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Don't record anything.

(iv) NEED FOR MICRO WAVE LINK FOR CALCUTTA AND KANPUR TO TELECAST CURRENT TEST MATCHES BETWEEN INDIA AND ENGLAND.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): Sir, India vs. MCC Test Cricket matches are going on in the country and the All India Doordarshan Centre has made arrangements for simultaneous live broadcast of these matches through micro-wave link at Delhi, Madras, Bangalore, Pune and Mussourie Centre. About 90 lakhs of people are withnessing the game with this arrangement. Unfortunately Kanpur, Calcutta and the whole of Eastern region are being deprived of the opportunity. But it is an established fact that in the matter of live coverage of games, these T.V. centres are far ahead of other centres. People of this area missed the Bombay Test and it is reported that for other four test matches also there will be no arrangemens for showing the game through micro-wave link. Thus the most populous city in the country like Calcutta and the people of Eastern region in general are neglected. Sir for the last so many years there is a demand for micro-wave link in Calcutta and Kanpur centres. Assurances were given by the Centre when the demand for showing in other Centre through micro-wave link rose in 1979, the year India-Pakistan Test match

*Not recorded.

was held in Calcutta and Kanpur. But after that nothing has been done in this regard.

14.2 hrs.

[SHRI GULSHER AHMED *in the Chair*].

Sir, in our country large number of people are interested in watching games and films on T.V. I do not understand why 'APPLE' satellite is not being used to show these games throughout the country. Therefore, I demand that immediate steps be taken to set up micro-wave link for Calcutta and Kanpur to telecast current test matches and till this arrangemen is made, APPLE should be uilised for that.

(v) DEMAND FOR INCREASE IN THE COMMISSION OF FAIR PRICE SHOP-OWNERS IN DELHI.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति महोदय; दिल्ली जैसे बड़े शहर में निश्चित रुप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली की हजारों दुकानें काम कर रही हैं। उन्हें चलाने वाले हजारों दुकानदार भी उन दुकानों की कमाई से अपने परिवार का भरण-पोषण किर रहे हैं।

राशन के दुकानदार पिछले 17 वर्षों से दिल्ली की जनता की सेवा करते आ रहे हैं। परन्तु वर्तमान मंहगाई को देखते हुए उन्हें मिलने वाले कमीशन में वृद्धि नहीं की गई है। हां, कहने के लिए सरकार ने उचित दर ने दुकानदारों के कमीशन में सन् 1975 में केवल गेहूं और चावल के लिए प्रति किलो एक पैसे की बढ़ोत्तरी की।

यहां यह कहना अनुचित] नहीं होगा कि सन् 1965 से लेकर अब तक सरकार ने राशन की दुकानों से मिलने वाली आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में कई बार बढ़ोत्तरी की है। इस के बावजूद दुकानदारों को दिए जाने वाले कमीशन में कोई खास बढ़ोत्तरी नहीं की गई है।

सन् 1965 से 1981 के बीच सरकार ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में जो वृद्धि की है उस की तालिका इस प्रकार है:—

1. **गेहूं** : 1965 में जो गेहूं 44 पैसे किलो मिलता था उस का मूल्य 1981 में 1.49 हो गया यानी 1.05 की वृद्धि।

2 **चावल** : 1965 में जो चावल 69 पैसे मिलता था उसकी कीमत सन् 1981 में 2.06 पैसे किलो है यानी 1.37 पैसे की वृद्धि।

3. **चीनी** : जो चीनी 1965 में प्रति किलो 1.23 थी वह 1981 में 3 65 प्रति किलो मिल रही है यानी 2.42 की वृद्धि हुई।

4. **आटा** : 1965 में जो आटा 49 पैसे में एक किलो मिलता था उसका दाम 1981 में बढ़ कर 1.50 हो गया यानी 1.01 की बढ़ोत्तरी हो गई है।

5. **मैदा** : 1965 में एक किलो मैदा का दाम 78 पैसे था, 1981 में उसका दाम 2.09 हो गया है यानी 1.31 की बढ़ती हुई है।

6. **सूजी** : 1965 में सूजी का दाम प्रति किलो 84 पैसे था, 1981 में उसका मुल्य 2.15 हो गया है यानी 1.31 की वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त आंकड़ों को देखते हुए राशन के दुकानदारों के कमीशन में निश्चित रुप से बढ़ोत्तरी होनी चाहिए जो हर दृष्टि से उचित होगी। परन्तु